**Today’s Poem – 19.09.2014**

**हमें कर्मबन्धन में नहीं फंसना**

**सबको कर्मबंधन मुक्त बनाना**

**एक बाप की याद में रहना**

**अशरीरी हो जाना**

**लाइट हाउस बन सबको शान्तिधाम, सुखधाम का रास्ता बताना**

**अपना भी कल्याण करना**

**अपने शान्त स्वरूप स्थिति में स्थित हो शरीर से डिटैच होने का अभ्यास करना**

**याद में आंखें खोलकर बैठना**

**बुद्धि से रचता और रचना का सिमरण करना**

**कोई भी बात कल्याण की भावना से देखना**

**परदर्शन से मुक्त रहना**

**मेरा बाबा**

**ॐ शान्ति !!!**

****